अध्याय 1

Q5TVC5

अब मीता जानती है

आज स्कूल से आने के बाद मीता चुप–चुप थी। बिस्तर पर लेटे–लेटे वह कुछ सोच रही थी। माँ ने पूछा–मीता क्या हुआ ! खाना खाकर तुरंत क्यों लेट गई हो ? आज तुम्हें खेलने के लिए बाहर जाने की जल्दी नहीं है ?

भैया – मैं भी यही सोच रहा हूँ माँ ! रोज तो यह बिना खाए ही खेलने के लिए दौड़ जाती है। आज इसे क्या हो गया ?

मीता – आज स्कूल में 19 नवंबर यानी विश्व बाल शोषण मुक्ति दिवस मनाया गया।

भैया – विश्व बाल शोषण मुक्ति दिवस ! यह क्या होता है ? मैं तो बाल दिवस, जिसे 14 नवंबर को मनाया जाता है, उसी के बारे में जानता हूँ।

माँ – मीता, मुझे भी बताओ, मैं भी जानना चाहती हूँ।

मीता – आज हमें एक फिल्म दिखायी गयी।

भैया – अरे वाह! कैसी फिल्म थी मीता ?

मीता – फिल्म में राजू नाम का एक छोटा लड़का था। उसके एक रिश्तेदार उसके यहाँ अक्सर आते थे। वे जब भी राजू को अकेले में पाते, उसके शरीर को जबरन आपत्तिजनक तरीके से छूते, सहलाते या उसे चूमने की कोशिश करते थे।

भैया – आपत्तिजनक तरीके से ! इसका क्या मतलब है, मीता ?

मीता – वास्तव में राजू को उनका छूना या सहलाना या प्यार करना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। जब भी वे उसके घर आते राजू उनसे बचने या छुपने या फिर भागने की कोशिश करता रहता था।

भैया – बेचारा राजू ! फिर क्या हुआ मीता ?

मीता – हाँ भैया, वो रिश्तेदार तो इतने खराब थे कि जैसे ही राजू को अकेले में पाते तुरंत उसे पकड़ लेते थे। कई बार तो वे उसे चॉकलेट या मिठाई और आइसक्रीम का लालच भी देते थे।

भैया – हाँ मीता तुम सच कह रही हो ! मैंने भी टेलीविजन के एक धारावाहिक में देखा था कि इस तरह की गंदी हरकतें करने वाला आदमी एक छोटे बच्चे को डरा–धमका कर अपने साथ आने के लिए कहता हैं, और यह भी कहता है कि "**यह हमारे–तुम्हारे बीच की बात है, किसी को बताना नहीं**"।

मीता – हाँ भैया ! फिल्म में राजू के साथ भी ऐसा ही हो रहा था।

माँ – पर मीता ! राजू के माता–पिता को यह सब मालूम था या नहीं ? क्या राजू ने उन्हें बताया नहीं ?

मीता – राजू ने उन्हें बताया था माँ ! किन्तु उन लोगों ने उसकी बातों पर विश्वास नहीं किया और ध्यान भी नहीं दिया।

भैया – फिर राजू ने क्या किया मीता ?

मीता – राजू ने परेशान होकर अपने टीचर को बताया। तब टीचर ने राजू के माता–पिता से बातचीत की और उन्हें समझाया।

भैया – समझाया ! क्या समझाया ?

मीता – राजू के टीचर ने बताया कि अक्सर माँ–पिताजी और दूसरे बड़े लोगों को बच्चों की बातों पर विश्वास करना या उनकी बातों पर ध्यान देना जरूरी नहीं लगता, क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि उनके घरों में उनके बच्चों के साथ कभी कुछ गलत नहीं हो सकता। जबकि सच्चाई यह है कि बच्चों के साथ बुरा व्यवहार या गंदी हरकतें कहीं भी हो सकती हैं।

माँ – हाँ मीता ! राजू के टीचर ने बिल्कुल सच कहा। विश्व के किसी भी देश में, किसी भी घर में, कहीं पर भी, किसी भी बच्चे के साथ ऐसा हो सकता है।

भैया – क्या ऐसा सभी लड़कों के साथ हो सकता है ?

मीता – नहीं भैया ! फिल्म में यह भी बताया गया था कि ऐसा किसी भी बच्चे के साथ हो सकता है चाहे वह लड़का हो या लड़की। पता है! मेरी एक सहेली है निशा उसने बताया था कि उसके पड़ोस में एक अंकल हैं जो उसके साथ ऐसी ही हरकतें करते थे, मना करने पर भी नहीं मानते थे, तब उसने अपने माता–पिता को उसके बारे में बताया, उन्होंने उन्हें बहुत डांटा। एक और लड़की रानी ने भी बताया कि उसके एक शिक्षक जो छात्रावास के प्रभारी भी थे उसने इसी तरह की हरकत कई लड़कियों के साथ की थी। उन सबने मिलकर उसका इतना विरोध किया कि उस शिक्षक को उस स्कूल से हटा दिया गया।

भैया – फिर राजू के टीचर ने और क्या किया ?

मीता – उन्होंने राजू के माँ–पिताजी को समझाया कि उन्हें उस गंदा व्यवहार करने वाले आदमी की जानकारी पुलिस को दे देना चाहिए।

भैया – वाह ! फिर उन्होंने ऐसा किया या नहीं ?

मीता – हाँ भैया ! फिल्म के अंत में उस रिश्तेदार को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

माँ – हाँ बेटा ! इसलिए बहुत जरुरी है कि सभी माता–पिता, शिक्षक और बड़े लोगों को, बच्चों की बातों पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्हें यह भरोसा दिलाना चाहिए कि वे उन पर पूरा विश्वास करते हैं, उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखते हैं।

भैया – हाँ माँ ! तभी तो बच्चे अपनी परेशानियां बिना किसी संकोच के बड़ों को बता सकेंगे। किन्तु इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चे और क्या कर सकते हैं ?

मीता – भैया ! फिल्म देखने के बाद उस पर स्कूल में बातचीत भी हुई। हमारे टीचर ने हमें बताया कि जैसा राजू के साथ हो रहा है वैसा किसी दूसरे लड़के या लड़की के साथ भी हो सकता है। इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए बच्चों को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भैया – अच्छा ! कौन–कौन सी बातें ?

मीता – यह कि– हमारे शरीर को हमारी इच्छा के बिना कोई नहीं छू सकता। खास तौर पर, शरीर में तीन जगह – छाती, जांघ (आगे/पीछे) और दोनों पैरों के बीच की जगह। ये ऐसे अंग हैं जिनकी सुरक्षा पर हमें विशेष ध्यान देना चाहिए। यदि इन्हें कोई छूता है या छूने का प्रयास करता है तो उसे छूने नहीं देना चाहिए।

माँ – किन्तु मीता ! माँ–पिताजी या जिन पर हमें विश्वास है वे यदि नहलाते समय इन अंगों की साफ–सफाई करते हैं तो परेशान नहीं होना है।

भैया – मीता ! मैंने चित्रों में देखा है कि आदिमानव भी इन अंगों की सुरक्षा के लिए पत्तों के वस्त्र पहनते थे अब तो हम लोग कपड़े पहनते हैं।

मीता – हाँ भैया ! हमारे टीचर ने हमें बताया यह भी बताया कि हमें इन सारी परेशानियों से बचने के लिए पहली बात डरना नहीं, हिम्मत रखना और केवल चार काम करना है– **चिल्लाओ, हटाओ, दूर जाओ और बताओ।**

भैया – **चिल्लाओ, हटाओ दूर जाओ और बताओ** ! ये क्या हैं जरा ठीक से बताओ न मीता।

मीता – हाँ, बता रही हूँ भैया ! **नहीं** का मतलब है कि यदि कोई हमारे शरीर के इन अंगों को या किसी अन्य अंग को छूता है जो हमें अच्छा न लगे तो उसे मना करना है और जोर से चिल्लाकर बोलना है – **नहीं** ।

– **हटाओ और दूर जाओ** का मतलब है कि चिल्लाकर उसे पूरी ताकत लगाकर धक्का देकर दूर हटायें और स्वयं भी दूर चले जाएँ।

– **बताओ** का मतलब है कि माँ–पिताजी, शिक्षक या जो लोग सचमुच हमसे प्यार करते हैं या जिन पर हमें भरोसा है, उनके पास जाकर उन्हें इसके बारे में बताना है।

भैया – और यदि आसपास ऐसा कोई न हो तो क्या होगा ?

माँ – बेटा ! मैंने कहीं यह पढ़ा है कि बच्चे जरूरत पड़ने पर चाइल्ड हेल्प लाइन **नंबर 1098** पर भी डायल कर सकते हैं। जिससे उन्हें तुरंत सहायता मिल सकती है।

भैया – अरे वाह ये तो बड़ी अच्छी बातें हैं इसे तो मैं अपने दोस्तों को जरुर बताऊँगा। ताकि वे भी आवश्यकता पड़ने पर अपनी सुरक्षा कर सकें।

तभी मीता की सहेली हीना आ गई और मीता खुशी–खुशी उसके साथ खेलने के लिए चली गयी।

ध्यान देने हेतु मुख्य बातें–

Q63RDS

1. **विरोध** –शरीर के खास अंगों (छाती, जांघ, गाल आदि) को छूना, सहलाना या चुम्बन लेने जैसी क्रिया का विरोध जरूर करें।
2. **शिकायत–** इस तरह के आपत्तिजनक व्यवहार की शिकायत बिना संकोच माता–पिता अथवा शिक्षक से अवश्य करें।
3. **हेल्पलाइन का उपयोग** – आवश्यकता पड़े तो चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 पर डायल कर सहायता प्राप्त करें व दोषी को दण्ड दिलाने की कार्यवाही करें।

हमारे आपसपास या स्वयं के साथ ऐसी कोई घटनाएँ तो नहीं हो रही हैं ? आपस में चर्चा करें।

अभ्यास के प्रश्न

Q6CMFF

1. विश्व बाल शोषण मुक्ति दिवस कब मनाया जाता है ?
2. आप दूसरे लोगों के गंदे व्यवहार और हरकतों की शिकायत किससे करेंगे? लिखिए।
3. आप दूसरे लोगों के गंदे व्यवहार और हरकतों से बचने के लिए कौन–कौन से चार काम करेंगे? लिखिए।
4. चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर लिखिए।
5. चाइल्ड हेल्प लाइन का उपयोग हम किन परिस्थितियों में कर सकते हैं ?